



કાર્યાલય ગાજિયાબાદ વિકાસ પ્રાધિકરણ, ગાજિયાબાદ (શમન/સ્વીકૃત પત્ર)

सेवा में, श्रीशक्ति सिंहला डॉपर कर
मैं निष्ठा बिन्दुर लक्ष्मी इवापसि

धर्म राजिस्ट्रेशन ऑफिस २०१ नियुन लवर
कृष्णनगरमा कामयावली सोंटे

पत्रांक/ ३६ नं प्रवेतन/जो.ही.ए./२० दिनांक: २४-१७२५/२ मी.८८
 विषय:- भूखण्ड सभ्या. १.७४६/.....पर निर्मित भवन के निर्माण के
 शमन मानचित्र निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

- कृपया उपरोक्त विषयक स्वकीय शमन आवेदन दिनांक.....०५-७-१५.....शपथपत्र एवं शमन मानचित्रों का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। आपके आवेदन पर सक्षम अधिकारी के आदेश दिनांक.....२५-८-१५.....द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार आपके द्वारा शमन एवं अन्य धनराशि रु०...।४५,५३।।०५(आळारह लारव धौआस्स हजार पैसे सौ छक्कतीस) रसीद संख्या.....X.....दिनांक.०५-१०-१५.....
.....के द्वारा जमा किये जाने पर शमन मानचित्र में प्रस्तावित निर्माण को निम्नलिखित शर्तों के साथ स्वीकृत प्रदान करते हुये शमन मानचित्र निर्गत किया जाता है।

 1. निर्मित भवनों के प्रयोग से पूर्व संपूर्ति प्रमाण पत्र लेना आवश्यक होगा।
 2. रेन वाटर हार्डेस्टिंग की व्यवस्था नियमानुसार संपूर्ति प्रमाण -पत्र लेने से पूर्व मौके पर सुनिश्चित करनी होगी (300.00 वर्गमी० अथवा इससे अधिक भूखण्ड क्षेत्रफल होने पर लागू)।
 3. स्वीकृत शमन मानचित्र में स्वीकृति आच्छादन के अनुसार आवश्यक वृक्षारोपण सुनिश्चित करना होगा।
 4. शपथ पत्र दिनांक.....२३-७-१५.....में दिये गये बिन्दुओं का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा।
 5. उपरोक्त बिन्दु 2 से 4 तक की शर्तों के अनुपालन के उपरान्त ही संपूर्ति प्रमाण-पत्र हेतु प्रार्थना पत्र स्वीकार्य होगा।
 6. भवन की स्ट्रक्चरल सेफटी के लिए आप स्वयं उत्तरदायी होंगे।
 7. शमन उपरान्त स्वीकृत इकाईयों से अधिक इकाईयों का निर्माण नहीं करेंगे।
 8. मा० उच्च न्यायालय में दायर रिट याचिका संख्या 43362 / 2001 एवं 2435 एम.बी./2001 में मा० न्यायालय द्वारा पारित आदेशों का अनुपालन करना होगा।
 9. शमन मानचित्र की स्वीकृति के मद में गणनाओं में त्रुटिवश यदि कोई धनराशि शेष रह जाती है तो प्रधिकरण में जमा करानी होगी।
 10. शमन मानचित्र में दर्शाये गये तथ्यों में से यदि कोई तथ्य असत्य पाया जाता है तो उसके लिए आप स्वयं उत्तरदायी होगे।
 11. शमनित भवन की गुणवत्ता, मान्य तकनीकी मानको, स्ट्रक्चरल डिजाईन आदि में कभी अथवा अन्य किसी दोष के कारण यदि भवन में अथवा भवन के परिसर में कोई दुर्घटना होती है तो समस्त दुर्घटनाओं की क्षतिपूर्ति के लिए आप स्वयं उत्तरदायी होगे।
 12. पूर्व स्वीकृत मानचित्र संख्या/ ।१६३ ।८४/।जोन ।०६-८७-।.....दिनांक.०६-८-०७
एवम अन्य में दी गई शर्तों एवं उपरोक्त शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा।

कृपया उपरोक्तानुसार उल्लिखित शर्तों का उल्लंघन किये जाने की दशा में नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जायेगी जिसके लिए आप स्वयं उत्तरदायी होगें।

भवदीय

संतम्नक : शमन मानवित्र की एक प्रति उपरोक्तानुसार ।

 19/10/15

02/11/15